भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

DIGITAL – EPAPER

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 211 | प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय | बिजौलिया - गुरुवार, 22 जनवरी ,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4

सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में अहम कैबिनेट बैठक

कानून-व्यवस्था से लेकर हाई-टेक निवेश तक कई बड़े निर्णय, विधानसभा में आएगा नया विधेयक

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में हुई मंत्रिमंडल बैठक में कानून-व्यवस्था, निवेश, रोजगार और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े कई बड़े फैसलों पर मुहर लगी। अशांत क्षेत्रों में संपत्ति संरक्षण से लेकर एयरोस्पेस-डिफेन्स और सेमीकंडक्टर जैसी हाई-टेक नीतियों को मंजूरी देकर सरकार ने विकास और सामाजिक संतुलन दोनों पर फोकस स्पष्ट किया।

कैबिनेट ने 'राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ ट्रांसफर ऑफ इम्मूवेबल प्रोपर्टी एंड प्रोटेक्शन ऑफ टेनेंट्स...बिल-2026' के प्रारूप को मंजूरी दी। इसके तहत अशांत घोषित क्षेत्रों में सक्षम प्राधिकारी की अनुमति बिना संपत्ति हस्तांतरण शून्य होगा। उल्लंघन पर 3 से 5 वर्ष तक की सजा और जुर्माना अपराध गैर-जमानती व संज्ञेय होगा। उद्देश्य स्थायी निवासियों और

किरायेदारों के अधिकारों की रक्षा व सामुदायिक सद्भावना बनाए रखना।

एयरोस्पेस-डिफेन्स नीति को हरी झंडी

उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने बताया कि नई नीति से राजस्थान को एयरोस्पेस व डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग हब बनाया जाएगा। मेगा-अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कर पुनर्भरण, पूंजीगत अनुदान, टर्नओवर-लिंक्ड प्रोत्साहन, रोजगार बूस्टर, भूमि व ऊर्जा में बड़ी रियायतें मिलेंगी।

राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2025 मंजूर

प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर नीति से फैब, डिजाइन, पैकेजिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन से जुड़ी परियोजनाओं को अतिरिक्त राज्य प्रोत्साहन, बिजली-शुल्क छूट, स्टांप व रूपांतरण शुल्क में राहत, ब्याज अनुदान और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग सपोर्ट मिलेगा।

RPSC में पदोन्नति अनुपात बदला

RPSC में उप सचिव पदनाम का एकीकरण और सहायक सचिव/निजी सचिव संवर्ग से पदोन्नति अनुपात 10:1 तय सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी।

आचरण नियमों में संशोधन

राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1971 में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अनुरूप 'बालक' की परिभाषा अपडेट– उल्लंघन पर अनुशासनिक कार्रवाई।

ग्राम उत्थान शिविर व एग्रीटेक मीट

23 जनवरी से 10 दिन, 2,839 ग्राम उत्थान शिविर 12 विभागों की सेवाएं एक मंच पर। 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट, ग्राम-2026' पर भी चर्चा।

ऊर्जा व शिक्षा

बीकानेर-लाखूसर और जैसलमेर-रामगढ़ उत्तर में सौर परियोजनाओं हेतु भूमि आवंटन स्वीकृत। बसंत पंचमी पर प्रदेशभर में मेगा PTM 65 लाख अभिभावकों की सहभागिता का लक्ष्य, साथ में निपुण मेला।

फेंके नहीं, हमें दें-नवजातों की जान बचाने के लिए बाल कल्याण समिति शुरू करेगी राज्यव्यापी जागरूकता अभियान

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर ।

नवजात शिशुओं को लावारिस छोड़ने की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने और उन्हें सुरक्षित जीवन देने के उद्देश्य से बाल कल्याण समिति द्वारा फेंके नहीं, हमें दें नाम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान शुरू किया जा रहा है। बुधवार को राजधानी में इस अभियान के पोस्टर का विमोचन अर्जुन राम मेघवाल और विधायक जेठानंद व्यास ने किया।

पोस्टर विमोचन के दौरान केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दो टूक कहा कि नवजात बच्चों को असुरक्षित हालात में छोड़ना न केवल अमानवीय कृत्य है, बल्कि अपराध भी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश माता-पिता शिशु का पालन-पोषण नहीं कर पा रहे हों, तो उसे सरकारी आश्रय, पालना गृह या बाल कल्याण समिति को सौंपना ही मानवीय और कानूनी रास्ता है। मेघवाल ने निर्देश दिए कि यह संदेश गांव-गांव तक पहुंचे, ताकि कोई भी शिशु असुरक्षित न रहे।

बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि आए दिन ऐसे हृदयविदारक दृश्य सामने आते हैं, जब नवजातों को झाड़ियों, नालों या सुनसान स्थानों पर छोड़ दिया जाता है। इससे कई बच्चे शारीरिक रूप से अक्षम हो जाते हैं और उनका दत्तक ग्रहण तक संभव नहीं रह पाता। उन्होंने जोर देकर कहा कि पालना गृह जैसी व्यवस्थाओं के साथ-साथ यह भी प्रचारित किया जाए कि शिशु सौंपने वालों पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होती।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास ने बताया कि बीते एक वर्ष में जोधपुर, पाली, जयपुर, झालावाड़, भीलवाड़ा और बांसवाड़ा सहित कई जिलों में नवजात असुरक्षित हालत में मिले। कुछ मामलों में तो बच्चों की मौत तक हो गई, जो मानवता को शर्मसार करती है। अभियान का मुख्य लक्ष्य ऐसे शिशुओं को सुरक्षित आश्रय देकर दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया से जोड़ना है।

समिति सदस्य जन्मेजय व्यास ने कहा कि लोगों में यह गलतफहमी है कि शिशु सौंपने पर कानूनी कार्रवाई होती है, इसी डर से वे बच्चों को असुरक्षित स्थानों पर छोड़ देते हैं। सच यह है कि बाल कल्याण समिति, दत्तक ग्रहण एजेंसी या पालना गृह में शिशु सौंपने पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं होती।

बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अरुण सिंह शेखावत ने अभिभावकों से अपील की कि अनचाहे शिशुओं को उचित प्राधिकारी बाल कल्याण समिति, दत्तक ग्रहण एजेंसी या विभाग को सौंपें। किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य अरविंद सिंह सैंगर ने बोर्ड की भूमिका और प्रक्रियाओं की जानकारी साझा की।

राजस्थान पर 'गुजरात मॉडल' थोपने की साजिश

शांत प्रदेश को अशांत बनाने की कोशिश- डोटासरा का भाजपा पर हमला

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर ।

गुजरात की तर्ज पर राजस्थान में डिस्टर्ब एरिया बिल लाने के सरकार के फैसले ने सियासी हलचल तेज कर दी है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसे लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। जयपुर में मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने बिल को संविधान विरोधी बताते हुए इसे डर और विभाजन की राजनीति करार दिया।

डोटासरा ने कहा कि कैबिनेट से बिल के ड्राफ्ट को मंजूरी देना भाजपा का सियासी कदम है, जिसका मकसद सरकारी गुंडागर्दी को कानूनी रूप देना है। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिप्रिय राजस्थान पर जबरन 'गुजरात

मॉडल' थोपकर भय, अविश्वास और असंवैधानिक व्यवस्था लागू करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि कौन और किस आधार पर किसी इलाके को अशांत घोषित करेगा? जनसंख्या चिह्नित करने का मापदंड क्या होगा और संविधान में इसकी अनुमति कहां है? डोटासरा ने कहा कि सरकार अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए भय का माहौल बनाना चाहती है।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि यह बिल संविधान के अनुच्छेद 300 (संपत्ति का अधिकार) और अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) पर सीधा प्रहार है। पहले मोहल्ला, फिर कस्बा, जिला और अंततः पूरे लोकतंत्र को अशांत घोषित करने की साजिश रची जा रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि जहां अशांत क्षेत्र घोषित होगा, वहां न निवेश आएगा, न विकास होगा और न ही सामाजिक सौहार्द बचेगा। डोटासरा ने कहा कि जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए यह पूरा घटनाक्रम रचा जा रहा है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि दो साल से पर्ची पढ़कर सरकार चलाने वाले आज विवेक छोड़कर संविधान पर हमला कर रहे हैं। राजस्थान की जनता इस साजिश को कभी स्वीकार नहीं करेगी, ऐसा उनका दावा है।

नीम के पेड़ से लटका मिला छात्र का शव

घर से जांच करवाने निकला था किशोर, देर शाम जंगल क्षेत्र में मिला शव

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

शहर के पटेल नगर क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब जंगल के पास एक नीम के पेड़ से 16 वर्षीय किशोर का शव लटका हुआ मिला। नाबालिग का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रथम दृष्टया पुलिस ने मामले को आत्महत्या मानते हुए जांच शुरू कर दी है, हालांकि मौत के कारणों को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है।

घटना प्रताप नगर थाना क्षेत्र की है। पटेल नगर में रहने वाले दीपक गंगवार (16), पुत्र राम किशोर गंगवार का शव जंगल के पास नीम के पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका मिला। राहगीरों की नजर जब शव पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पंहुची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

जानकारी में सामने आया है कि मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला दीपक पिछले कुछ वर्षों से पटेल नगर में अपने मौसा आशीष गंगवार के पास रहकर 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों के अनुसार मंगलवार सुबह वह घर से यह कहकर निकला था कि उसे कमर दर्द है और वह जांच करवाने जा रहा है, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। बुधवार शाम उसका शव जंगल क्षेत्र में नीम के पेड़ से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन अस्पताल की मोर्चुयरी के बाहर एकत्र हो गए और आक्रोश जताया। फिलहाल पुलिस ने मृग दर्ज कर हर पहलू से जांच शुरू कर दी है।

डोटासरा अब जेल की तैयारी करें ,पंचायत चुनाव बयान पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का तीखा पलटवार

भीलवाड़ा फोकस @ कोटा।

गर्वित । इह पंचायत चुनावों को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने तीखा और आक्रामक पलटवार किया है। दिलावर ने कहा कि सुपरवाइजर, लैब सहायक और कृषि पर्यवेक्षक भर्ती-2018 घोटाले में अब डोटासरा को जेल जाने की तैयारी कर लेनी चाहिए। उनके कथित गुर्गों को एसओजी पकड़ चुकी है अब अगली बारी डोटासरा की है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि डोटासरा जिस परिसीमन पर सवाल उठा रहे

हैं, वही काम कांग्रेस ने अपने शासन में किया था। कांग्रेस सरकार ने जहां अपने पक्ष में वोट मिलने की संभावना थी, वहां छोटे-छोटे वार्ड बनाए और जहां भाजपा को समर्थन मिलता था, वहां बड़े वार्ड बनाकर चुनावी संतुलन बिगाड़ा गया। डोटासरा ने एक्स पर आरोप लगाया था कि भाजपा सरकार पंचायत चुनाव जीतने के लिए जानबूझकर परिसीमन कर रही है। इस पर पलटवार करते हुए दिलावर ने कहा कि कांग्रेस के शासन में ग्राम पंचायतों और जिला परिषदों के परिसीमन में गंभीर गड़बड़ियां की गई थीं, जिनका उद्देश्य केवल चुनावी लाभ था।

भर्ती-2018 का जिक्र करते हुए दिलावर ने कहा कि कांग्रेस शासन में परीक्षाओं की ओएमआर शीट्स में हेराफेरी हुई। अब एसओजी पूरी सख्ती से कार्रवाई कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ईमानदारी और पारदर्शिता से काम कर रही है।

दिलावर ने कहा की कांग्रेस के अपराध अब सामने आ रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब 2018 भर्ती घोटाले के सभी दोषी जेल की सलाखों के पीछे होंगे।

माजी साहब का खेड़ा गाँव में गलत रूट पर छोड़ा गया गंदे पानी का नाला, किसानों की खातेदारी भूमि हो रही खराब

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया ।

रमेश गुर्जर माजी साहब का खेड़ा गांव में आबादी क्षेत्र से निकलने वाले गंदे पानी के नाले का रूट गलत दिशा में छोड़े जाने से ग्रामीण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में माजीसाहब काखेड़ा के खातेदार किसानों ने बुधवार को उपखण्ड अधिकारी, अजीत सिंह को ज्ञापन सौंपकर नाले का रूट बदलने की मांग की है।

ज्ञापन में खातेदार भैरूलाल बलाई, मणकचंद्र बलाई, रमेश चंद्र बलाई, कैलाश बलाई, सोनू रेगर, शंभूलाल धाकड़, नरेश शर्मा, दिनेश शर्मा, राजेश शर्मा सहित अन्य किसानों ने बताया कि गांव के गंदे पानी के लिए बनाए गए विशाल नाले को आबादी क्षेत्र के बाद उनकी खातेदारी भूमि के पास आम रास्ते के बाहर आकर छोड़ दिया गया है। इससे रास्ते में गंदगी और कीचड़ फैल रहा है, जिससे आवागमन में कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि नाले का दूषित पानी खेतों में फैल रहा है, जिससे फसलों को नुकसान पहुंच रहा है और खेती करना मुश्किल हो गया है। किसानों ने बताया कि उनके पास इन्हीं खेतों के अलावा आजीविका का कोई अन्य साधन नहीं है। इस समस्या को लेकर पूर्व में सरपंच एवं ग्राम सचिव को भी अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि गंदे पानी के नाले का रूट तत्काल सही कराया जाए, ताकि किसानों की जमीन और आम रास्ते को हो रहे नुकसान से राहत मिल सके।

शिक्षकों में कर्तव्य बोध और अनुशासन पर विचार गोष्ठी आयोजित

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी ।

राजेन्द्र बबलू पोखरना

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा कोटड़ी के तत्वावधान में कर्तव्य बोध पखवाड़ा के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पारोली में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों में कर्तव्य बोध, अनुशासन, संगठनात्मक एकता तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना रहा।

गोष्ठी में उपशाखा मंत्री पुष्पेंद्र कुमार काबरा ने कर्तव्य बोध पखवाड़ा के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक समाज की दिशा और दशा तय

करने में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे व्याख्याता अनिल कुमार जाजू ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता, नैतिक मूल्यों और अनुशासन की नींव शिक्षक के कंधों पर टिकी होती है। उन्होंने शिक्षकों से पूरी ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष पवन कुमार गगरानी एवं जिला प्रतिनिधि भंवरलाल स्वर्णकार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महावीर गाडरी, प्रभुलाल दरोगा, महावीर मीणा, भंवरलाल बेरवा, आशा लड्ढा, सुशीला मीणा, लक्ष्मी शर्मा, विनोद कुमार, कमलेश धाकड़, कन्हैयालाल साहू, हरिओम सोनी, भंवरलाल तिवारी सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

सुभाष नगर स्कूल के खेल मैदान के विकास को लेकर विधायक ने किया निरीक्षण

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

शहर विधायक अशोक कोठारी ने बुधवार को गायत्री नगर, मालोला रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर के खेल मैदान का यूआईटी एवं पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने विद्यालय परिसर में खेल अधोसंरचना के शीघ्र विकास को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विधायक कोठारी ने बताया कि सुभाष नगर विद्यालय में लगभग 1400 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें से करीब 80 प्रतिशत विद्यार्थी पटरी पार क्षेत्र से आते हैं। वर्तमान में विद्यालय में इंडोर खेल सुविधाओं के अभाव के कारण विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा

है। इसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने खेल मैदान का समतलीकरण एवं भराव कार्य, चारदीवारी निर्माण तथा आधुनिक मल्टी-स्पोर्ट्स इंडोर गेम्स परिसर विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध हो सके। विधायक कोठारी ने कहा कि खेलेंगे तो खिलेंगे के संकल्प के साथ विधायक खेल विकास योजना के अंतर्गत भीलवाड़ा शहर के बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु राज्य सरकार से डीएमएफटी फंड की स्वीकृति प्राप्त की गई है। इस योजना के तहत शहर के समस्त सरकारी विद्यालयों में खेल मैदानों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके लिए एक विशेष टीम का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसी क्रम में सुभाष नगर विद्यालय के खेल मैदान का अवलोकन किया गया। साथ ही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रताप नगर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीमगंज (मोदी ग्राउंड), माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय तथा माणिक्य लाल वर्मा टेक्सटाइल कॉलेज के खेल मैदानों के विकास को भी योजना में शामिल किया गया है।

विधायक ने कहा कि भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के सभी सरकारी विद्यालयों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ खेल अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक व शारीरिक विकास सुनिश्चित हो और भीलवाड़ा शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में नई पहचान बना सके।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य व स्टाफ के साथ एडवोकेट अर्पित कोठारी, गजेंद्र सिंह राठौड़, संजय राठी, एडवोकेट राघव आचार्य, दिनेश सुथार, करण सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

23 जनवरी से प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर एक दिवसीय विशेष शिविर

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में 23 जनवरी से प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर एक दिवसीय विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार ये शिविर 23, 24, 25 एवं 31 जनवरी तथा 1 फरवरी और 5 से 9 फरवरी तक आयोजित किए जाएंगे। शिविरों का आयोजन सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा। शिविरों के सफल संचालन हेतु संयुक्त निदेशक कृषि विभाग विनोद कुमार जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं, शिविर की समस्त व्यवस्थाओं के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी चन्द्रभान सिंह भाटी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसी क्रम में उपखंड स्तर पर आयोजित होने वाले प्रत्येक विशेष शिविर के लिए संबंधित उपखंड अधिकारी को नोडल अधिकारी तथा संबंधित विकास अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

विशेष शिविरों में विभिन्न विभागों की सहभागिता रहेगी, जिनमें कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विपणन विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, जल संसाधन विभाग, ऊर्जा विभाग, उद्योग विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग तथा डेयरी विभाग शामिल हैं।

इन शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

ठाकुर बाबा बस्ती में धर्म और एकता का महासंगम

25 जनवरी को निकलेगी भव्य शोभायात्रा, 1100 कलश व अखाड़ा प्रदर्शन रहेंगे आकर्षण

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

देशभर में चल रही हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला के तहत ठाकुर बाबा बस्ती में 25 जनवरी को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन की शुरुआत भव्य शोभायात्रा से होगी। शोभायात्रा रामद्वारा से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई धरती देवरा पहुंचेगी। यात्रा में 1100 कलश, पारंपरिक अखाड़ा प्रदर्शन, ऊंट-घोड़े, केसरिया दल और विविध सांस्कृतिक व धार्मिक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। मार्ग में विभिन्न समाजों द्वारा भव्य स्वागत द्वार सजाए जाएंगे, वहीं पुष्प वर्षा से शोभायात्रा का अभिनंदन किया जाएगा। धरती देवरा में आयोजित धर्मसभा में संत शिरोमणि प्रकाश दास महाराज तथा महेश मणि चैतन्य महाराज (मंदसौर) श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। सम्मेलन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। घर-घर पीले चावल और पत्रक देकर आमंत्रण दिया जा रहा है, वहीं समाज से सहयोग जुटाने के लिए टोलियां सक्रिय हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए हुई बैठक में अध्यक्ष मोडू राम धाकड़, संयोजक डॉ. परमेश्वर कुमावत, कोषाध्यक्ष भगवत सिंह लूंलास सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक साल से अटकी मजदूरी, नगर पालिका के बाहर महिलाओं का धरना

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत नगर पालिका क्षेत्र में कार्यरत सैकड़ों महिलाओं का सब्र उस वक्त जवाब दे गया, जब महीनों नहीं बल्कि पूरे एक वर्ष से मेहनत की मजदूरी नहीं मिली। आर्थिक तंगी और प्रशासनिक उदासीनता से परेशान महिलाओं ने बुधवार को नगर पालिका कार्यालय के बाहर धरना देकर अपना आक्रोश खुलकर जाहिर किया।

धरने पर बैठी महिलाओं ने बताया कि योजना के अंतर्गत उनसे नियमित रूप से कार्य लिया जा रहा है, इसके बावजूद न तो समय पर मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है और न ही श्रम के अनुरूप पारिश्रमिक दिया जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे मजबूर होकर उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा।

महिलाओं की प्रमुख मांग है कि बकाया मजदूरी का शीघ्र भुगतान किया जाए तथा भविष्य में कार्य के बदले पूरा और उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित किया जाए। धरनास्थल पर मौजूद महिलाओं ने नगर पालिका प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। महिलाओं के धरने के चलते नगर पालिका कार्यालय के बाहर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

कृषि विषयक शिक्षकों की कमी को लेकर मांडलगढ़ कॉलेज के छात्रों का प्रदर्शन

भीलवाड़ा फोकस @ मांडलगढ़ ।

नगर स्थित श्री शिवचरण माथुर राजकीय महाविद्यालय में कृषि विषयक शिक्षकों की कमी एवं पुस्तकों के अभाव को लेकर बुधवार को छात्रों ने मुख्य गेट पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने बताया कि बी.एससी. एग्रीकल्चर विषय के लिए लंबे समय से न तो पर्याप्त शिक्षक नियुक्त किए गए हैं और न ही आवश्यक पुस्तकों की व्यवस्था की गई है। इस समस्या को लेकर लगभग 14 दिन पूर्व महाविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से छात्रों में रोष व्याप्त है।

छात्रों का कहना है कि शिक्षकों की कमी और अध्ययन सामग्री के अभाव के कारण उनकी पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। मजबूरन उन्हें महाविद्यालय गेट पर एकत्र होकर प्रदर्शन करना पड़ा।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता सोनु कुमार सेन एवं परमेश्वर पुरी ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो छात्र आंदोलन को और अधिक उग्र करने के लिए मजबूर होंगे। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और त्वरित समाधान की मांग की गई।

QUICK BITES

सरदार नगर मंडल में 1 फरवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन का होगा आयोजन

भीलवाड़ा फोकस @ बनेडा ।

प्रतीकात्मक इमेज

परमेश्वर । सरदार नगर मंडल में सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रभाव को सशक्त करने के उद्देश्य से आगामी 1 फरवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जयपुर-कांकरोली स्टेट हाईवे-12 पर स्थित शोभागपुरा पंचमुखी चौराहा, श्री देवनारायण मंदिर परिसर में सम्पन्न होगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र के सभी गांवों से कलश यात्राएं एवं प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई शोभागपुरा चौराहे पर संगम करेंगी। सम्मेलन के दौरान प्रतिभा सम्मान समारोह, संत समागम, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महा प्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा।

इसके पश्चात आयोजित विशाल धर्मसभा को गौऋषि संत प्रकाश दास महाराज सहित अन्य संत-महात्मा अपने ओजस्वी प्रवचनों से समाज को धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्रहित के मार्ग पर अग्रसर होने का संदेश देंगे।

बाबा रामदेव मंदिर में हुआ सत्संग समारोह, सामुदायिक भवन की घोषणा

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

(दिलखुश) समीपवर्ती ग्राम सदारा में रेगर समाज द्वारा बाबा रामदेव मंदिर परिसर में भव्य सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शत्रुघ्न गौतम रहे, जबकि अध्यक्षता नरेंद्र कुमार रेगर ने की।

सत्संग का शुभारंभ संत किशनलाल सुवासिया ने गणेश वंदना से किया। संत बन्नालाल दोलिया सहित अन्य संतों ने गुरु महिमा व भक्ति पर आधारित भजनों की प्रस्तुतियां दीं। नन्हे गायक भावेश व मीनाक्षी वर्मा की प्रस्तुतियों पर श्रोता भावविभोर हो उठे।

अपने संबोधन में विधायक गौतम ने समाज की एकता पर बल देते हुए रेगर समाज के लिए सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम में संत-महात्माओं व अतिथियों का सम्मान किया गया तथा अंत में आरती व प्रसाद वितरण के साथ सत्संग संपन्न हुआ।

भीलवाड़ा फोकस
भीलवाड़ा की बात फोकस के साथ

एक सशक्त पत्रकारिक मंच से जुड़ने का सुनहरा अवसर!

"भीलवाड़ा फोकस" को अपने नेटवर्क के विस्तार हेतु योग्य एवं उत्साही संवाददाताओं की जहाजपुर | गुलाबपुरा | आसिंद | मांडल | गंगापुर | माण्डलगढ़ । बदनौर सहित भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर अनुभवी क्राइम रिपोर्टर की आवश्यकता है ।

क्या आपके पास है –

- समाचारों को पकड़ने की तेज़ नजर ?
- निष्पक्षता, निडरता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण ?
- डिजिटल रिपोर्टिंग या प्रिंट मीडिया का अनुभव ?

तो फिर देर किस बात की? अभी जुड़िए - "भीलवाड़ा फोकस" परिवार के साथ।

संपर्क करें: मो. 8696795959 ईमेल: bhilwarafocus@gmail.com
वेब: www.bhilwarafocus.com

राजस्व प्रकरण ऑनलाइन पेश करने के निर्णय के विरोध में अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

जिला अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़ के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने राजस्व न्यायालयों में प्रस्तुत होने वाले वाद/प्रकरणों को ऑनलाइन पेश करने के सरकारी निर्णय के विरोध में राजस्व मण्डल अजमेर के अध्यक्ष को जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत, महासचिव पंकज दाधीच, रेवेन्यू महासचिव मनोहर लाल बुनकर, कोषाध्यक्ष रवि गोरानी, सहसचिव आदित्य सिंह चौहान तथा पुस्तकालय सचिव प्रताप तेली सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

रेवेन्यू महासचिव मनोहर लाल बुनकर ने बताया कि राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने का निर्णय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष व सचिव से बिना किसी पूर्व विचार-विमर्श के लिया गया है। साथ ही राजस्व कोर्ट मैन्युअल में आवश्यक संशोधन किए बिना ही इस निर्णय को लागू करना कानूनी प्रावधानों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि इस एकतरफा निर्णय से राजस्थान के काश्तकारों, विशेषकर गरीब किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा, प्रक्रियाएं अधिक जटिल होंगी तथा अधिवक्ता समुदाय के अधिकारों का भी हनन होगा।

अधिवक्ताओं ने बताया कि इस निर्णय को लेकर अधिवक्ता समुदाय एवं आमजन में भारी रोष व्याप्त है। राजस्थान रेवेन्यू बार अजमेर के आह्वान पर जिला अभिभाषक संस्था द्वारा न्यायिक कार्य से विरक्त रहने का निर्णय लिया गया है। यदि सरकार द्वारा वाद/प्रकरणों को ऑनलाइन दर्ज करने एवं सम्पूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाइन करने संबंधी निर्णय वापस नहीं लिया गया, तो अधिवक्ता समुदाय आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

इस अवसर पर श्यामलाल वैद, मांगीलाल सेन, सुरेश सुवालका, पीरू सिंह गौड़, सुरेशदास वैष्णव, बालूलाल उपाध्याय, सरिता स्वर्णकार, महेश जोशी, सूर्यप्रकाश सरगरा, रक्षा तिवारी, कैलाश चारण, ज्योति जागेटिया, गायत्री पटवा, अनुराग आडोत, मंथन तिवारी, हसन खान, हरजीराम रेबारी, जसपाल सिंह भाटी, अनिल कुमार पारीक सहित अनेक अधिवक्तागण मौजूद रहे।

बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, 800 विद्यार्थियों ने ली शपथ

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

बाल विवाह मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को लेकर चलाए जा रहे 100 दिवसीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा शहर के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सहायक निदेशक धर्मराज प्रतिहार के निर्देशानुसार संपन्न हुआ।

अभियान के तहत महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शास्त्री नगर, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कावाखेड़ा, राजकीय प्राथमिक विद्यालय हाउसिंग बोर्ड, आदर्श विद्या मंदिर अम्बेडकर नगर एवं ब्राइट वेल पब्लिक स्कूल कावाखेड़ा सहित कई विद्यालयों में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया तथा बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बताया गया कि सरकार द्वारा बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत 100 दिनों तक निरंतर जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर समाज से इस कुप्रथा को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप है, जिसे रोकने के लिए बच्चों सहित समाज के हर वर्ग को आगे आकर आवाज उठानी होगी।

जिला बाल संरक्षण इकाई की संरक्षण अधिकारी अनुराधा तोलंबिया, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक हेमंत सिंह, सुपरवाइजर राधेश्याम गुर्जर एवं केस वर्कर शिवराज खटीक ने बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दी जा सकती है, जहां सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है।

इस अवसर पर संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य राजकुमार काकरिया, राकेश कुमार लौट, रेखा पांडे, प्रदीप मेहता, मुकेश जीनगर एवं सीता चौहान सहित शिक्षकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम में लगभग 800 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर बाल विवाह के खिलाफ जागरूक समाज निर्माण का संकल्प लिया।

जीवित होने का प्रमाण देने कलेक्ट्रेट पहुंचे वृद्धजन, व्यवस्था पर उठे सवाल

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

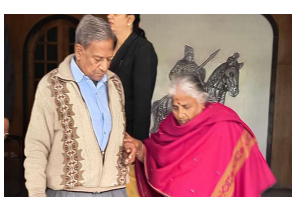

पेंशन चालू रखने के लिए अपने जीवित होने का प्रमाण देने बुजुर्गों को परिजनों के सहारे कलेक्ट्रेट तक आना पड़ रहा है। बुधवार को कई वृद्धजन कलेक्ट्रेट भीलवाड़ा पहुंचे ,कोई छड़ी के सहारे, कोई परिजन के हाथ थामे।

तस्वीरें उस विडम्बना को बयां करती हैं, जहां उम्र और असहायता के बावजूद प्रमाण की बाध्यता उन्हें दफ्तरों की दहलीज तक खींच लाती है।

फोटो यह सवाल भी खड़ा करती है कि चुनाव के समय घर-घर जाकर मतदान कराने वाला प्रशासन, पेंशन सत्यापन के लिए बुजुर्गों की दहलीज तक क्यों नहीं पहुंचता? तस्वीरों में थकान, प्रतीक्षा और असहजता साफ झलकती है।

वृद्धजनों और परिजनों की मांग है कि सरकार व जिला प्रशासन इस प्रक्रिया पर पुनर्विचार करे, ताकि घर बैठे सत्यापन जैसी व्यवस्था लागू हो और बुजुर्गों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिले।

फल वाटिका का जिला कलेक्टर ने लिया जायजा, ग्राम पंचायत के कार्य की सराहना

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर ।

(सांवर वैष्णव) कस्बे में नेशनल हाईवे-758 के किनारे खजीना चारागाह क्षेत्र में आकोला ग्राम पंचायत द्वारा विकसित की जा रही फल वाटिका का जसमीत सिंह सिंधु ने निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत आकोला के प्रशासक शिवलाल जाट ने बताया कि चारागाह भूमि पर लगभग 56 प्रकार के फलदार पौधों के करीब 3500 पौधे लगाकर फल वाटिका विकसित की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने फल वाटिका की सराहना करते हुए कोटड़ी विकास अधिकारी रामबिलास मीणा को इसे और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कलेक्टर ने कहा कि एससीएफ, मनरेगा सहित विभिन्न योजनाओं के कन्वर्जन से स्वीकृत कार्यों को ग्राम पंचायत द्वारा प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया गया है। तारबंदी कर बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए हैं तथा ड्रिप सिस्टम के माध्यम से जल का उचित उपयोग किया जा रहा है, जो सराहनीय है। भविष्य में आवश्यकतानुसार और स्वीकृतियों पर भी विचार किया जाएगा। इसके पश्चात जिला कलेक्टर ने खजीना गांव के संस्कृत विद्यालय में निर्माणाधीन स्मार्ट/सामुदायिक स्वच्छता परिसर का भी जायजा लिया और कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

इस अवसर पर जिला परिषद अधिशासी अभियंता गोपाल लाल टेलर, आईईसी समन्वयक विनय पंचोली, उदयपुर से डॉ. एस. एस. दईया, नाहर सिंह राठौड़, रणजीत सिंह राठौड़, कनिष्ठ तकनीकी सहायक योगेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रतियोगी परीक्षाओं में दूरस्थ ड्यूटी के विरोध में शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

(दिलखुश) । राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) की उपशाखा सावर के अध्यक्ष प्रहलाद कुमावत के नेतृत्व में बुधवार को सावर क्षेत्र के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों ने अजमेर में आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में ऑब्जर्वर/वीक्षक ड्यूटी नहीं लगाए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर अजमेर के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

संघ ने बताया कि क्षेत्र से अजमेर की दूरी लगभग 100 से 120 किलोमीटर है। ऐसे में शिक्षकों को समय पर ड्यूटी स्थल पर पहुंचने के लिए निजी साधनों का उपयोग करना पड़ता है, जिससे लगभग 2500 रुपये का अतिरिक्त खर्च आता है। जबकि इसके एवज में मात्र 250 से 300 रुपये मानदेय दिया जाता है तथा किसी प्रकार का यात्रा भत्ता भी प्रदान नहीं किया जाता।

शिक्षक संघ ने मांग की कि दूरस्थ क्षेत्रों के शिक्षकों की अजमेर में ड्यूटी नहीं लगाई जाए या फिर नियमानुसार यात्रा भत्ता एवं दैनिक भत्ता प्रदान किया जाए। साथ ही बीएलओ बूथ लेवल ऑफिसर को विद्यालय समय में शिथिलन देने की भी मांग रखी गई।

ज्ञापन देते समय उपशाखा अध्यक्ष प्रहलाद कुमावत, मंत्री मदनलाल मीणा, वरिष्ठ अध्यापक जिला प्रतिनिधि लादूलाल मीणा , अनिल झाकल, भवानीशंकर मीणा, खेमराज मीणा, धनराज मीणा, गोपाल कुमावत, त्रिलोक जैन, जयंत जैन, राजेन्द्र मेघवंशी, भागचंद मीणा, रामचंद्र शर्मा, राकेश शर्मा, अरबाज खान सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद द्वारा बालिकाओं का तीन दिवसीय आत्मरक्षा शिविर संपन्न

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

भारत विकास परिषद, नेताजी सुभाष शाखा के तत्वावधान में सर्वोदय शिक्षण संस्थान माध्यमिक विद्यालय, संजय कॉलोनी में बालिकाओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय आत्मरक्षा शिविर का सफल समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

शिविर में प्रशिक्षिका विनीता तापड़िया ने आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपायों का प्रशिक्षण देते हुए कहा कि जीवन में स्वयं पर विश्वास सबसे बड़ा संबल होता है। आत्मबल को मजबूत करने के लिए आत्मरक्षा के उपाय हर बालिका के जीवन में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

कार्यक्रम में आमंत्रित बालिकाओं के अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को पूर्व राष्ट्रीय मंत्री संस्कार बलराज आचार्य ने संस्कार विषय पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बदलते समय में संस्कार ही जीवन की मजबूत आधारशिला हैं। जीवन की प्रथम पाठशाला मां होती है, जहां से संस्कारों का बीजारोपण होता है। स्वस्थ समाज

और सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए परिवार में संवाद और संस्कारों का जीवित रहना आवश्यक है।

कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षिका विनीता तापड़िया का शाल व ऊपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया। साथ ही विद्यालय निदेशक अनिल बांगड़, प्राचार्य वैभव बांगड़ एवं अवनीश बांगड़ का भी तिलक व ऊपरना से अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर मधु लढ़ा, सुनीता नराणीवाल, आशा दरगड़, यशोदा शर्मा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर शाखा सचिव कैलाश शर्मा ने सभी अतिथियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त किया।

अखिल राजस्थान जयकार समाज विकास संस्था की बैठक संपन्न, 1 फरवरी को राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का निर्णय

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

अखिल राजस्थान जयकार समाज विकास संस्था की प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी की बैठक नेहरू विहार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष लादूलाल फोगा ने की, जबकि प्रदेश अध्यक्ष दुर्गालाल बारेठ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 1 फरवरी को भीलवाड़ा में राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया।

समाज के स्थायी विकास को ध्यान में रखते हुए भीलवाड़ा में भूखंड क्रय करने के विषय पर भी चर्चा की गई। सदस्यों ने भीलवाड़ा के समीप प्रस्तावित भूमि का सामूहिक निरीक्षण किया तथा शीघ्र ही क्रय प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय लिया।

युवा शाखा के जिला अध्यक्ष कमल जागा ने अपनी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि उनकी औपचारिक घोषणा शीघ्र की जाएगी। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि भीलवाड़ा में समाज के विद्यार्थियों के लिए कोचिंग एवं लाइब्रेरी की व्यवस्था की जाएगी तथा अन्य जिलों से परीक्षा देने आने वाले विद्यार्थियों के ठहराव की सुविधा भी संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दुर्गालाल बारेठ, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष भैरूलाल

लखावत, प्रदेश कोषाध्यक्ष दुर्गालाल चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष बसंतीलाल जामका, प्रदेश सहायक कोषाध्यक्ष राधेश्याम बागड़वा, जिला अध्यक्ष लादूलाल फोगा, जिला संरक्षक गोपाललाल बराला, कार्यकारी अध्यक्ष शंकरलाल चौधरी, जिला मंत्री जगदीश प्रसाद डोगा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाशकुमार बागड़वा, जिला कोषाध्यक्ष भेरूलाल रेवल, राजूलाल रेवल, जिला युवा अध्यक्ष कमल पोरवाड एवं अंबालाल चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जिला मंत्री जगदीश प्रसाद डोगा ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण हाट में टेक्सटाइल एवं हैंडीक्राफ्ट मेला 2026 का शुभारंभ

26 जनवरी तक चलेगा 'हुनर का मेला', 65 स्टॉल, सांस्कृतिक आयोजनों की भरमार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

ग्रामीण हाट में बुधवार को टेक्सटाइल एवं हैंडीक्राफ्ट मेला 2026 का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) प्रतिभा देवठिया एवं विशिष्ट अतिथि जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा उपस्थित रहे। वस्त्रनगरी भीलवाड़ा के स्थानीय उद्योगों, एमएसएमई इकाइयों और बुनकरों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित यह मेला 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के तहत 21 से 26 जनवरी तक ग्रामीण हाट में आयोजित किया जा रहा है।

जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक के.के. मीना ने बताया कि इस बार मेले में कुल 65 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें से 25 स्टॉल एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत टेक्सटाइल उत्पादों से संबंधित हैं। मेले का उद्देश्य भीलवाड़ा की टेक्सटाइल पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त करना तथा स्थानीय हस्तशिल्पियों, बुनकरों और उद्यमियों को विपणन का सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। मेले में भीलवाड़ा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के टेक्सटाइल उद्यमी, बुनकर, हस्तशिल्पी और

स्वयं सहायता समूह भाग ले रहे हैं। यहां टेक्सटाइल उत्पादों के साथ-साथ पारंपरिक हस्तशिल्प, कालीन, रेडीमेड वस्त्र, लेदर उत्पाद, स्टोन कार्विंग, घरेलू सजावटी सामग्री, अचार-मुरब्बा, हर्बल उत्पाद, पापड़, किड्स वियर, स्थानीय खाद्य उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ईवी वाहन, कश्मीरी शॉल, हैंडमेड साबुन, आदिवासी जड़ी-बूटी उत्पाद, एग्रो प्रोडक्ट और मोबाइल कवर की स्टॉल लगी हैं। मेले में पंच गौरव की स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रही, वहीं चिकित्सा विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार, ब्लड प्रेशर और मधुमेह जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही ओडीओपी, एमएसएमई, राजस्थान निवेश एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित एवं आदिवासी युवा रोजगार प्रोत्साहन योजना से संबंधित जानकारी के लिए होर्डिंग लगाए गए हैं। एक जिला-एक उत्पाद आधारित सेल्फी प्वाइंट पर अतिथियों, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों और आमजन ने उत्साहपूर्वक सेल्फी ली।

उद्घाटन अवसर पर शिक्षा विभाग की छात्राओं द्वारा रंगोली प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मेला अवधि के दौरान प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रतिभा देवठिया ने भीलवाड़ा के नागरिकों से मेले का भ्रमण करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन 'वोकल फॉर लोकल' को मजबूती देते हैं और स्थानीय कारीगरों व उद्यमियों को आर्थिक संबल प्रदान करते हैं।

उद्घाटन समारोह में मेवाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर.सी. लोढ़ा, भीलवाड़ा टैक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के महासचिव प्रेम स्वरूप गर्ग, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष शंभू प्रसाद काबरा, संयुक्त महामंत्री रविन्द्र जाजू, बीएसएल से आर.डी. जाट सहित कई प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारी, उद्यमी, हस्तशिल्पी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मेले के अंतर्गत 22 जनवरी को मेहंदी प्रतियोगिता, टॉक शो एवं गायन प्रतियोगिता, 23 जनवरी को पेंटिंग प्रतियोगिता एवं राजस्थानी लोकगायन, 24 जनवरी को निबंध प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, 25 जनवरी को क्विज प्रतियोगिता एवं गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक संध्या तथा 26 जनवरी को मेले का समापन किया जाएगा।

QUICK BITES

नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर नगर में भव्य पथ संचलन आज

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद ।

नगर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर भव्य पथ संचलन का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय, बीगोद के भैया-बहनों द्वारा गुरुवार को सुबह 11 बजे यह पथ संचलन निकाला जाएगा।

पथ संचलन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं रानी लक्ष्मीबाई की आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा, जो नगरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

विद्यालय के प्रचार प्रमुख अशोक कुमार पाराशर ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन एवं राष्ट्रीय चेतना का भाव जागृत करना है। पथ संचलन को लेकर विद्यालय परिवार एवं नगर में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

अम्बेडकर कॉलोनी में हुआ शॉल वितरण, जरूरतमंदों को मिली सर्दी से राहत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

मूलचन्द पेसवानी अम्बेडकर कॉलोनी में सेवा और संवेदना से परिपूर्ण एक सराहनीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के पावन सानिध्य एवं हरि सेवा धाम के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवारों को शॉल वितरित कर सर्दी से राहत प्रदान की गई। कार्यक्रम में संत गोविंद साईं एवं संत सिद्धार्थ की गरिमामयी उपस्थिति रही। संतों के सानिध्य में जब जरूरतमंदों को शॉल प्रदान की गई, तो वातावरण सेवा, करुणा और मानवता के भाव से सराबोर हो गया। आयोजन के दौरान किसी प्रकार का भेदभाव या औपचारिकता नहीं दिखी, बल्कि सामाजिक समरसता की भावना स्पष्ट रूप से नजर आई। कार्यक्रम में छीतर मल गेंगट, पुरण लोट, महावीर गेंगट, रामगोपाल संगत, राकेश गेंगट, विशाल गारू, सुनील सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बासाराणी माता मंदिर पर अष्टमी बंधेज पूर्णाहुति को लेकर चार दिवसीय धार्मिक आयोजन

भीलवाड़ा फोकस @ मांडलगढ़ ।

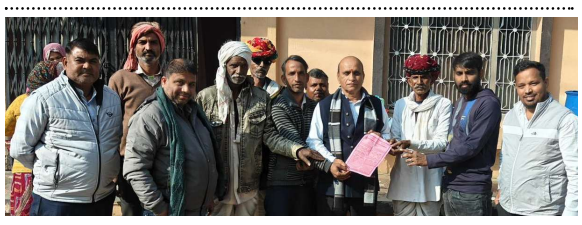

उपखण्ड क्षेत्र के गेणोली ग्राम स्थित बासाराणी माता मंदिर परिसर में अष्टमी बंधेज पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 23 जनवरी से प्रारंभ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

आयोजन की तैयारियों को लेकर गेणोली गांव के बलाई एवं मेघवाल समाज के प्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय विधायक गोपाल खंडेलवाल से मुलाकात कर उन्हें निमंत्रण दिया है। समाज प्रतिनिधियों ने बताया कि चार दिवसीय आयोजन के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे, जिससे गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बनेगा। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है।

पवन क्रिकेट क्लब प्रतियोगिता: दूसरे दिन खेले गए चार मुकाबले

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(संवर वैष्णव) कस्बे के निकटवर्ती बोरखेड़ा गांव में आयोजित द्वितीय पवन क्रिकेट क्लब प्रतियोगिता के दूसरे दिन चार रोमांचक मुकाबले खेले गए। आयोजन समिति से विक्रम सिंह ने बताया कि बुधवार को हुए मैचों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

पहला मुकाबला जैनपुरिया क्लब बीगोद और बड़लियास के बीच खेला गया, जिसमें जैनपुरिया क्लब बीगोद की टीम विजेता रही। दूसरा मुकाबला गेंदलिया बनाम बालाजी क्लब सोपुरा के बीच हुआ, जिसमें बालाजी क्लब सोपुरा ने जीत दर्ज की। तीसरे मुकाबले में कुड़ी और सिंगोली की टीमें आमने-सामने रहीं, जहां सिंगोली की टीम विजयी रही। दिन का चौथा और अंतिम मुकाबला गेगा का खेड़ा बनाम उदलियास के बीच खेला गया, जिसमें गेगा का खेड़ा की टीम ने बाज़ी मारी।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।